नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

बजट में मध्य प्रदेश ; आधारभूत विकास के प्रावधान

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 केवल आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि यह 'विकसित भारत' के संकल्प को जमीन पर उतारने का एक ठोस प्रयास भी है. इस बजट में मध्य प्रदेश को विशेष महत्व मिलना इसलिए भी अहम है क्योंकि यह राज्य भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से देश के हृदय में स्थित है. 'हृदय प्रदेश' को मजबूत किए बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी ही रहती है.

इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण घोषणा मध्य प्रदेश के सभी आदिवासी जिलों में गर्ल्स हॉस्टल स्थापित करने का निर्णय है. विशेषकर आलीराजपुर, झाबुआ, धार, बैतूल जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में यह कदम सामाजिक बदलाव का वाहक बन सकता है. लंबे समय से यह देखा गया है कि सुरक्षित आवास और सुविधाओं के अभाव में बेटियां उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती हैं. अब इंजीनियरिंग, मेडिकल और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में पढ़ाई करने की राह उनके लिए कहीं अधिक सुगम होगी. यह निर्णय महिला सशक्तिकरण को केवल नारे से आगे ले जाकर ठोस नीति में बदलता है. बजट में टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपये का आवंटन मध्य प्रदेश के शहरी भविष्य को नई दिशा देता है. भोपाल और इंदौर जैसे महानगरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, आवास और बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा, वहीं ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर जैसे शहरों को उभरते आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा. इससे न केवल स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि महानगरों पर बढ़ते दबाव को भी कम किया जा सकेगा.

रेलवे और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बजट का फोकस मध्य प्रदेश को लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक नेटवर्क का मजबूत केंद्र बनाने की दिशा में है. वंदे भारत ट्रेनों और अमृत भारत स्टेशन परियोजना से राज्य के प्रमुख रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे. प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर औद्योगिक शहरों को आपस में जोड़कर माल ढुलाई की लागत घटाएंगे और निवेश के नए अवसर पैदा करेंगे. लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये की कुल केंद्रीय सहायता से राज्य के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है.

युवाओं के लिए बजट का संदेश स्पष्ट है. एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक यानी एबीजीसी सेक्टर पर जोर देते हुए 15 हजार स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स शुरू करने की घोषणा भविष्य की अर्थव्यवस्था की तैयारी है. इंदौर और भोपाल जैसे शहर पहले ही स्टार्टअप और टेक-हब के रूप में पहचान बना रहे हैं. यह पहल युवाओं को पारंपरिक नौकरियों के साथ-साथ नए जमाने के डिजिटल करियर विकल्प उपलब्ध कराएगी.

कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बजट संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है. 'भारत विस्तार' नामक एआई टूल से किसानों को मौसम, फसल और बाजार की सटीक जानकारी मिलेगी, जिससे जोखिम कम और आय में स्थिरता आएगी. वहीं आयुष और आयुर्वेदिक शोध केंद्रों की घोषणा मध्य प्रदेश को वेलनेस टूरिज्म के राष्ट्रीय मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिला सकती है. कुल मिलाकर, केंद्रीय बजट 2026-27 मध्य प्रदेश के लिए अवसरों का दस्तावेज है.दरअसल, प्रदेश के आधारभूत विकास पर खास तौर पर बजट में फोकस किया गया है.यह सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और तकनीकी नवाचार को एक साथ साधने का प्रयास करता है. यदि इन घोषणाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है, तो 'विकसित मध्य प्रदेश' का सपना न केवल साकार होगा, बल्कि वह 'विकसित भारत' की यात्रा का मजबूत आधार भी बनेगा.

नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा केन्द्रीय बजट

डॉ. मोहन यादव

भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में हम विकसित भारत का मिशन लेकर आगे बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 मध्यप्रदेश के लिए आर्थिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा, उद्योगों को सरल प्रक्रियाएँ, निवेशकों को भरोसेमंद वातावरण, युवाओं को रोजगार के अवसर, महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण, एमएसएमई सेक्टर को संस्थागत समर्थन और नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्राप्त होंगी।

> सिटी ईकॉनामिक रीजन बनाने की नीति मध्यप्रदेश के शहरी विकास के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी। शहरों को संगठित आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित करने में यह सहायक सिद्ध होगी। शहरी क्षेत्रों में नियोजित आर्थिक विकास, औद्योगिक व्यावसायिक क्लस्टरिंग और आधुनिक अधोसंरचना का निर्माण होगा। इससे मध्यप्रदेश के प्रमुख शहर संगठित आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित होंगे और निवेश अनुकूल शहरी अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा। यह निवेश मॉडल मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स तथा व्यापारिक सुगमता को व्यापक रूप से मजबूत बनायेगा।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की जो नींव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रखी गई है उसे वर्ष 2026-27 के बजट ने और ज्यादा मजबूत किया है। भारत की अर्थव्यवस्था अब तेजी से नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान शक्ति और उदयमिता के सहयोग से भारत ने आगे बढ़ने जो संकल्प लिया है वह कई अर्थों में अदभुत है। आज जब भारत औदयोगिक निवेश और निर्माण क्षेत्र का हब बनने जा रहा है, उसमें मध्यप्रदेश भी अपनी पूरी शक्ति के साथ योगदान देने के लिए तैयार है। हमने औदयोगिक निवेश के लिये अनूकूल वातावरण तैयार किया, जिससे निरंतर निवेश आ रहा है। नये बजट से पूरे इको-सिस्टम को नई ऊर्जा मिली है। बजट में हरित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर पूरा ध्यान केन्द्रित किया गया है। इससे मध्यप्रदेश को दीर्घकालिक लाभ होने वाला है। कृषक कल्याण और कृषि विकास को मिशन के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया है। इसी प्रकार सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट, मैन्युफैक्चरिंग और एआई आधारित तकनीक के विकास पर बजट में ध्यान केन्द्रित किया गया है। इन तीनों क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को हाई टेक उद्योग, डिजिटल निवेश और नवाचार आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा। इन क्षेत्रों के लिये नीतियां बनाने का काम पूरा कर लिया है। निवेश आकर्षित करने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

केन्द्रीय बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समर्पित है। यह सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी बजट है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश में तेजी से शिक्षा का आधुनिकीकरण हो रहा है, नया बजट युवाओं के कौशल विकास और रोज़गार के लिए व्यापक अवसर लेकर आया है। शिक्षा से रोजगार एवं उदयम स्थायी समिति का गठन और 15 हजार माध्यमिक विदयालयों एवं 500 महाविदयालयों में एपीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना रचनात्मकता को बढ़ावा देगी। पर्यटन क्षेत्र में आईआईएम के सहयोग से 10 हजार गाइड्स के कौशल उन्नयन और खेलो इंडिया मिशन के माध्यम से अगले दशक में खेलों के परिदृश्य में बदलाव लाने का लक्ष्य युवाओं को नई दिशा देगा। महिलाओं के लिये एमएसएमई ग्रोथ फंड के लिए 10 हजार करोड़ रूपये का आवंटन लाभदायी होगा। युवा भारत के लिये सेवा क्षेत्र का विस्तार संभावनाओं के नये द्वार खोलेगा और रोज़गार और उदयम के अवसर बढ़ेंगे।

महिला उदयमिता को बढ़ावा देने के लिए लखपति दीदी योजना में महिला उदयमियों को क्रेडिट लिंक आजीविका से उद्म स्वामित्व से जोड़ने में मदद मिलेगी। मध्यप्रदेश ने पहले ही इस दिशा में ठोस प्रयास किये हैं। बजट में सामाजिक समावेश पर पूरा ध्यान दिया गया है। आर्थिक विकास की ये पहल मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत लाभकारी होगी। समावेशी विकास के साथ मानव-पूंजी निर्माण को भी मजबूती मिलेगी। शी-मार्ट्स, दिव्यांगजन कौशल योजना, सभी जिलों में गर्ल्स हॉस्टल और शिक्षा कौशल आधारित पहल से सामाजिक सशक्तिकरण के साथ आर्थिक विकास को समावेशी स्वरूप मिलेगा। इससे मध्यप्रदेश में गुणवत्तापूर्ण मानव पूंजी का सृजन होगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को विकास के केन्द्र में रखते हुए यह बजट प्रशासनिक सरलीकरण, निवेश-अनुकूल नीतियों, संरचनात्मक सुधारों और वित्तीय स्थिरता के माध्यम से मध्यप्रदेश को तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने की ठोस आधारशिला रखता है। मध्यप्रदेश के लिए केंद्रीय बजट 2026-27 केवल एक नीति-दस्तावेज नहीं, बल्कि राज्य के आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक विकास का एक ऐतिहासिक अवसर है, जो मध्यप्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में अत्यंत सहायक एवं परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

मालवा- निमाड़ की डायरी

पटेल की नाराजगी कांग्रेस की दुविधा

संजय व्यास

आलीराजपुर कांग्रेस जिलाध्यक्ष का पद मुकेश पटेल के दिसंबर में इस्तीफा देने के बाद से खाली है. पटेल परिवार के इर्दगिर्द घूमती जिले की कांग्रेस राजनीति इसके कारण ठप पड़ी है. आलीराजपुर से 2018 में विधायक रहे मुकेश पटेल ने पार्टी के लिए समयाभाव की बात रख इस्तीफा दिया था, लेकिन बताया जाता है कि 2023 के चुनाव में उनकी हार का कारण बने निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व जिपं अध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला के पक्ष में तथाकथित 3 कांग्रेसी नेताओं ने बेधड़क प्रचार किया था. पटेल की नजर में इन नेताओं ने गद्दारी की थी और उनकी हार हुई. जबसे ही वे इन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने का दबाव बनाए हुए थे.

कांग्रेस के एक कार्यक्रम के दौरान जब उन्होंने देखा कि उनके समर्थकों की बजाए मंच पर उनके खिलाफती नेताओं को पार्टी ने सबक तो दिया नहीं, उल्टे सम्मान व तवज्जो दी जा रही है तो अगले दिन ही पटेल ने पद त्याग दिया. अब जिले में निष्क्रिय पड़ी पार्टी गतिविधियों पर कार्यकर्ता असमंजस में हैं क्या करें. इसी तारतम्य में ब्लॉक कार्यकर्ताओं की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर, जिला व ब्लॉक अध्यक्ष की शीघ्र नियुक्ति की मांग की गई. लेकिन प्रदेश कांग्रेस यहां दुविधा में है कि मुकेश पटेल की नाराजगी दूर किए बिना किसे जिलाध्यक्ष बनाया जाए. कार्यकर्ता पंचायत चुनाव से पूर्व शीघ्र ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति चाहते हैं, ताकि संगठन को सक्रिय, संगठित और मजबूत बनाया जा सके.

सिंघार के फिर वही सुर!

विगत दिनों बुरहानपुर के ग्राम चैनपुरा में आयोजित आदिवासी सांस्कृतिक एकता महासम्मेलन में विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने फिर आदिवासियों को स्वतंत्र धर्म का ठहराने की कोशिश की.

समाज को हिंदू से अलग बताने पर हुए विवाद के बाद इस बार वे खुलकर तो नहीं बोले, लेकिन इशारा वही था. सिंघार ने मंच से कहा हम जंगल, सूर्य, गाय, बैल, फसल की पूजा करते हैं, लेकिन आज देश के अंदर वह आदिवासी कोड नहीं मिल पा रहा है, क्यों, क्या हमारी पहचान को खत्म करने की साजिश तो नहीं है. उन्होंने आदिवासी समाज से अलग आदिवासी कोड के लिए पूरे देश में मूवमेंट चलाने की बात भी कही.

मंजू दादू के जी का जंजाल

नेपानगर विधानसभा अंतर्गत पांगरी जलाशय का मामला नेपा विधायक मंजू दादू के लिए जी का जंजाल बन गया है. बुरहानपुर जिले के नेपानगर में पांगरी मध्यम सिंचाई परियोजना का कार्य क्षेत्र उतावली नदी पर पांगरी गांव के पास है. परियोजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में लगभग 4400 हेक्टेयर भूमि को सिंचित करना है. पांगरी बांध के कारण पांगरी, बसाली और नागझिरी गांवों की लगभग 287 हेक्टेयर भूमि डूब क्षेत्र में आ रही है, जिससे लगभग 300 किसान और 700 परिवार प्रभावित/विस्थापित हो रहे हैं. विधायक मंजू दादू नियमानुसार पुनर्वास ओर मुआवजा दिलाने को तत्पर हैं, परंतु कई समय से आंदोलनरत किसान दोहरे मुआवजा पाने के लिए अड़े हुए हैं. इसके लिए किसानों का सारा दबाव निकटतम जनप्रतिनिधि होने के नाते विधायक मंजू दादू पर है. उनकी बात उपर तक पहुंचाने के आश्वासन के बाद फिलहाल 10 मार्च तक आंदोलन स्थगित कर दिया है. इससे फौरी तौर पर दादू को राहत जरूर मिल गई, मगर देखते हैं समय सीमा के बाद मंजू दादू किसानों की दोहरे मुआवजे की मांग पूरी करवाती हैं या मामले को किस तरह सुलझा पाती हैं.

लड़कियों के हक में सुको का अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला देते हुए माहवारी हाइजीन आधार पर अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था करने को मौलिक अधिकारों के दायरे में शामिल किया और साथ ही राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया कि वह सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में किशोरियों व लड़कियों को मुफ्त में सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराएं व उनके लिए कैंपस में अलग टॉयलेट्स का भी निर्माण कराएं. न्यायाधीश जेबी पारदीवाला व न्यायाधीश आर महादेवन ने संयुक्त रूप से लिखे अपने फैसले में इस आदेश का पालन करने के लिए सरकारों को 3 माह का समय दिया है. अदालत का यह फैसला कागज तक ही सीमित न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए खंडपीठ ने तय किया कि इसे लागू करने की निगरानी वह स्वयं करेगी और अगली सुनवाई तीन माह बाद की रखी गई है, यह जानने के लिए कि आदेश का पालन हुआ है या नहीं. सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला निश्चितरूप से स्वागतयोग्य है और इस पर सख्ती के साथ अमल होना चाहिए, विशेषकर इसलिए कि लगभग रोजाना ही अखबारों में पढ़ने को मिलता है कि स्कूलों में छात्राओं के साथ भेदभाव किया गया. मसलन पिछले साल अप्रैल में कक्षा 8 की एक छात्रा को क्लासरूम के बाहर बैठकर अपनी वार्षिक परीक्षा देने के लिए मजबूर किया गया था. यह घटना जिला कोयंबटूर में पोइलाची के निकट एक प्राइवेट स्कूल की है. हैरत इस बात पर है कि यह तमिलनाडु में हुआ, जो देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक है और जो स्वास्थ्य सूचकांक पर निरंतर उच्च स्कोर करता है. छात्रा को क्लासरूम के भीतर परीक्षा देने का अधिकार था, जिससे स्कूल प्रशासन ने उसे वंचित किया. यह उल्लंघन हमारे समाज के बारे में क्या बताता है? शिक्षा का असल उद्देश्य दिमागों में खुलापन लाना, अज्ञानता को दूर करना और हानिकारक मिथकों को चुनौती देना है. जो लोग समाज में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं, विशेषकर शिक्षक, उन्हें मिसाल स्थापित करनी चाहिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए समाज में अंधविश्वास व गलत प्रथाओं के विरुद्ध जागृति फैलानी चाहिए.

अदालत का यह फैसला कागज तक ही सीमित न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए खंडपीठ ने तय किया कि इसे लागू करने की निगरानी वह स्वयं करेगी और अगली सुनवाई तीन माह बाद की रखी गई है, यह जानने के लिए कि आदेश का पालन हुआ है या नहीं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

शोक से मत होना बेहाल राजनीति बोली कुर्सी संभाल

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, क्या यह विचित्र नहीं लगता कि अजीत पवार के विमान दुर्घटना में निधन के बाद राज्य में 3 दिनों का शोक जारी रहते अजीत की पत्नी सुनेत्रा पवार ने मुंबई जाकर उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली? क्या उन पर आकस्मिक रूप से टूट पड़े दुख के पहाड़ ने उन्हें विचलित नहीं किया?'

हमने कहा, 'सुनेत्रा ने दिखा दिया कि भावना से बड़ा कर्तव्य होता है. कर्तव्य के लिए मन कठोर करना पड़ता है और शोक पर काबू पाना पड़ता है. जिंदगी व समय की रफ्तार किसी के जाने से नहीं रुक जाती. पीछे देखने की बजाय आगे देखना पड़ता है. बिजनेसमैन भी शोक को त्यागकर चौथे दिन गद्दी संभाल लेते हैं. भगवान कृष्ण ने गीता में अर्जुन से कहा कि विगत के लिए शोक मत कर. ऐसा करना बुद्धिमानों का लक्षण नहीं है. कोई किसके लिए कब तक रोएगा ! काम-धाम संभालना ही पड़ता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा अन्य राज्यों में लोग दशगात्र के बाद शुद्ध होते हैं और तेरहवीं करने के बाद अपना काम संभालते हैं. कुछ लोग मृत्यु के बाद गरुड़ पुराण का पाठ भी कराते हैं जिससे निधन के बाद आत्मा की मुक्ति हो जाए.'

हमने कहा, 'आज की तेज रफ्तार शहरी जिंदगी में परिस्थितियां बदली हैं. लोग व्यावहारिक हो गए हैं. कर्मकांड सीमित हो गया है. हितैषी भी समझाते हैं कि जाने वाला तो चला गया, वह लौटकर नहीं आएगा. अपना कामकाज संभालो. कर्तव्य से पीछे मत हटो. शोक सागर में डूबो मत. वहां से झटपट तैरकर बाहर निकल आओ.'

हमने कहा, 'राजनीति ऐसी है कि जो मौका चूका, वह गया काम से ! सुनेत्रा ने दिल पर पत्थर रखकर अपने पति की राजनीतिक विरासत को संभाल लिया और डिप्टी सीएम की शपथ ले ली. उनके चित्त में दुख हो सकता है कि महत्वपूर्ण वित्त विभाग नहीं मिला. उन्हें आबकारी, खेल, युवा कल्याण, अल्पसंख्यक विकास तथा औकाफ जैसे विभाग दिए गए. फिलहाल वित्त विभाग अपने पास रखकर राज्य का बजट मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पेश करेंगे.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज दुख तो शरद पवार को भी अपने भतीजे के जाने का है लेकिन उससे ज्यादा दुख यह है उन्हें सुनेत्रा के डिप्टी सीएम पद लेने के बारे में अंधेरे में रखा गया. उनकी राय तक नहीं ली गई.'

हमने कहा, 'इससे समझ लीजिए कि राजनीति बड़ी निर्मम होती है जो पारिवारिक रिश्तों व संवेदनाओं को पीछे छोड़ देती है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12160

- डॉ. सागर खादीवाला

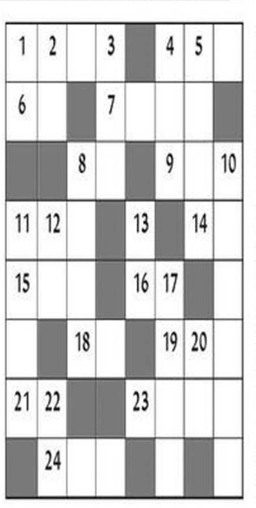

बाएं से दाएं

1. सभा करने वाला, सभा-भवन का निर्माता 4. किनारा, लिखते समय कागज के किनारे खाली छोड़ी हुई जगह (उर्दू) 6. राजपूताने की एक प्रसिद्ध जंगली जाति 7. बंधा हुआ क्रम, श्रृंखला (उर्दू) 8. नाक तथा मुंह से एकाएक वेग सहित निकलने वाला वायु का झोंका 9. जिसमें लाज हो, लज्जाशील 11. व्यभिचारिणी 14. पेंदा, नीचे का भाग 15. अंगों की कोमल मनोहर चेष्टा, लटकन 16. हिस्सा, खंड, भाग्य 18. फटा-पुराना, मुरझाया हुआ 19. ईर्ष्या की जलन, द्वेष, दाह 21. बहादुर 23. तल, सतह, क्षेत्रफल 24. प्रश्न, पूछने की क्रिया, मांग (उर्दू)

ऊपर से नीचे

1. सारे, सब 2. फफोला, छाल या चमड़ा 3. रस या आनंद लेने वाला, रसिया 4. मिला हुआ, प्राप्त, लब्ध (उर्दू) 5. पहाड़ों की चट्टानों में से निकलने वाली एक पौष्टिक काली औषध 8. व्यंग्यपूर्ण उक्ति कहना 10. पालन पोषण करना 11. वह देवी जिसकी पूजा किसी कुल में परंपरा से चली आई हो 12. केश लता 13. गौरी, केला, उत्तर दिशा, एक अप्सरा का नाम (सं) 17. बड़ा हाथी 20. पैर, पांव, पदाघात 22. स्वाद, फलों या वनस्पतियों आदि का निचोड़ा हुआ तरल अंश (सं.)

Solution 12159

पु	र	स्का	र	■	पो	ख	र
ता	व	■	मे	दि	नी	■	सा
ई	■	कु	श	ल	■	आ	य
■	शु	रू	■	■	म	न	न
अ	मा	प	■	प	द्य	■	शा
क	र	■	अ	स्त	■	व	स्त्र
ध्य	■	दा	म	■	र	स	ज्ञ
■	आ	न	न	फा	न	न	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा, मन में तनाव रह सकता है, व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा, व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी, आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है, शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है, वर्ष के अन्त में नये स्त्रोतों में वृद्धि होगी, रूके कार्यो में गति आयेगी, धार्मिक कार्यो में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्त्रातों में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवाद हो सकता हे, सिंह राशि के व्यक्तयों के रूके कार्यो में गति आयेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी, अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्पष्टवादी, अनुशासन प्रिय, महत्वाकांक्षी होगा, इसकी शिक्षा उत्तम रहेगी, नौकरी व्यापार दोनों में अच्छा लाभ होगा, एक से अधिक आय के साधन उपलब्ध होंगे, अनुकूल समय का लाभ उठाने में सक्षम रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

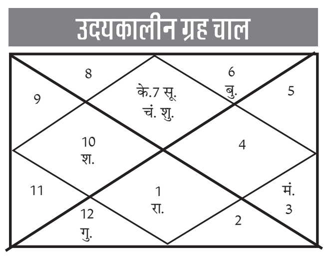

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2082 फाल्गुन कृष्ण द्वितीया भौमवासरे रात 1/45, मघा नक्षत्रे रात 11/23, शोभन योगे रातअंत 4/7, तैतिल करणे सू.उ. 6/33, सू.अ. 5/27, चन्द्रचार सिंह, शु.रा. 5, 7, 8, 11, 12, 3 अ.रा. 6, 9, 10, 1, 2, 4 शुभांक- 7, 9, 3.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन कृष्ण द्वितीया को मघा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, धातु, गुड, खांड, जौ, मटर, चना आदि वस्तुओं में मंदी होगी, शक्कर, अलसी, हींग, सरसों, अरंडी में तेजी का योग है, आज 11 बजकर 24 मिनिट से व्यापार करना लाभकारी रहेगा. भाग्यांक 1126 है.

मेष- प्रतियोगी परीक्षा में अच्छी सफलता मिलेगी, संतान के व्यवहार से दुख होगा, अध्ययन रचनात्मक कार्यों में रूचि बढ़ेगी, मन में प्रसन्नता रहेगी.

वृषभ- लेन देन के मामले में आरोप प्रत्यारोप लगेंगे, परिवार एवं परिश्रम के कार्यों में अनुकूलता रहेगी, समय के अनुसार निर्णय करना लाभकारी रहेगा.

मिथुन- विवादास्पद मामले सुलझने के आसार हैं, केरिअर में बेहतर सफ्लता मिलेगी, व्यवसायिक प्रयासों में अनुकूलता रहेगी, मित्रों एवं प्रियजनों का सहयोग रहेगा.

कर्क- मेहमान नवाजी में समय बीतेगा, जल्दबाजी में गलती कर बढेंगे, शारीरिक अस्वस्थ्यता रहेगी, पारिवारिक तनाव दूर होगा, मानसिक संतुष्टि रहेगी.

सिंह- अनुशासन की कमी से व्यवस्था बिगड़ सकती है, मनमौजी रवैया से नुकसान होगा, दूर गये मित्र के संबंध में कोई सुखद समाचार मिलेगा, साहस संयम से कार्य करें.

कन्या- भागदौड़ सफ्ल होगी, आजीविका के प्रयासों में सफ्लता मिलेगी, राजकीय सहयोग बना रहेगा, मन:स्थिति संतुलित रहेगी.

तुला- पारिवारिक मामले में आपसी सहमति से निर्णय करना लाभदायक, आकस्मिक धन लाभ होगा, सामाजिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी.

वृश्चिक- कोई लाभ की योजना हाथ से निकल सकती है, अपने खर्च में कटौती करें, मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी.

धनु- साझेदारी में नया कार्य शुरू कर सकते हैं, दुविधा से बाहर निकलें, अनावश्यक विवादों को न बढ़ायें, अतिथि आगमन होगा.

मकर- नए संपर्क आगे बढ़ने में सहायक रहेंगे, लेन देन के मामले सुलझेंगे, आर्थिक कार्यों में शिथिलता रहेगी, उदर विकार रहेगा, रक्त पीड़ा हो सकती है.

कुम्भ- व्यापार में नये सौदे हाथ में आ सकते हैं, कार्य योजना में बदलाव होगा, पड़ौसियों से मधुरता के भाव रहेंगे, उच्च शिक्षा आदि में विशेष खर्च होगा.

मीन- समय पर काम पूरा करने का दबाव रहेगा, साझेदारी टूटने का आसार हैं, भूमि संपत्ति के कार्यों में शिथिलता रहेगी, लापरवाही से कष्ट होगा.

SUDOKU 7292

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7291

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9